12·04 hrs.

RE : CALLING ATTENTION NOTICE

(*Query*)

MR. SPEAKER : We now take up the Calling Attention Motion.

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur) : Sir, before you proceed to the next item, I wish to tell you that the important questions that we have raised have not been allowed. Even the security of this country is being threatened and we gave Calling Attention Notices. (*Interruption*)

MR. SPEAKER : Order, order.

SOME HON. MEMBERS *rose*---

AN HON. MEMBER : The Russians have collapsed in Trivandrum.

SHRI JYOTIRMOY BASU (Diamond Habour) : I gave a Calling Attention notice about the Rabindra Sarobar matter. The Commission has delivered its report. The youth of West Bengal did not molest women as was alleged. (*Interruption*).

MR. SPEAKER : Shri Ramavatar Shastri.

12·05 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED TOKEN STRIKE BY TEACHERS AND OTHER STAFF OF PATNA UNIVERSITY

श्री रामावतार शास्त्री, (पटना) : अध्यक्ष महोदय, में अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वे इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"पटना विश्वविद्यालय के अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा सांकेतिक हड़ताल के समाचार ।"

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO) : Telephonic enquiries made from the Vice-Chancellor, Patna University, have revealed that teachers of the University Departments and constituent colleges and non-teaching staff of the constituent colleges went on token strike on December 16, 1969. About 700 teachers and 750 non-teaching employees were involved. The immediate cause for the strike was non-payment of House Rent Allowance along with the pay. The University has paid the House Rent Allowance only for the months of September and October 1969. It has not been possible for the University to make payments of House Rent Allowance due for the months May to August, 1969 and for November, 1969 due to difficult ways and means position.

In April, 1969, the State Government had agreed to the payment of House Rent Allowance with effect from May, 1969. The State Government had however suggested to the University that it should share the expenditure involved on 50 : 50 basis. This was considered by the University authorities who expressed their inability to make any contribution in this regard and proposed that the entire expenditure should be met by the State Government. The State Government is examining the matter.

A delegation on behalf of the University teachers/employees is meeting Shri P. K. J. Menon, Adviser to the Governor, on December 18, 1969, that is tomorrow, to sort out the issues. The Vice-Chancellor and members of the University Syndicate will also attend

[V. K. R. V. Rao]

the meeting. I hope that at this meeting a satisfactory solution of the problem will be found.

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अभी यहां पर जो वक्तव्य पढ़ा है वह पूर्ण नहीं है । अपूर्ण है । जिस मांग का उल्लेख उन्होंने किया है—नान-पेमेन्ट-आफ हाउस रेन्ट एलाउन्स—– वह केवल एक बात है । टीचर्स की मांग 9 सूत्री है और उसी तरह से शिक्षकों के अलावा जो दूसरे कर्मचारी हैं उनकी मांग 4 सूत्री है । उनकी तरफ मैं आपका ध्यान संक्षेप में दिलाना चाहता हूं । ....(**व्यवधान**)....मैं कुछ और कहने के पूर्व, पटना यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेन्ट, डा० जी० पी० सिन्हा, का तार सदन के सामने पढ़कर सुनाना चाहता हूं । जिससे आपको कुछ बातों की जानकारी होगी और आप यह जान सकेंगे कि यह मामला इतना आसान नहीं है बल्कि बहुत गम्भीर मामला है ।

अध्यक्ष महोदय : तार तो बहुत लम्बा होगा ।

श्री रामावतार शास्त्री : तार बहुत छोटा है :

"Patna University teachers and other employees on token strike on 16th because of serious financial crisis paralysing academic life in the university and to protest against the Government's reluctance to honour its commitments. Request raise issue in Parliament."

From G. P. Sinha, President, Patna University Teachers' Association.

तो पटना यूनिवर्सिटी पांच यूनिवर्सिटियों में बहुत पुरानी है । वहां पर 12 हजार छात्र पढ़ते हैं । यह बहुत ही महत्वपूर्ण यूनिवर्सिटी है । इसका काफी नाम रहा है । उसके प्रोडक्ट इस सदन में भी हैं और मन्त्री भी हैं । लेकिन आज वहां की स्थिति बहुत ही गम्भीर है । वहां पर जातीयता, कुनबापरस्ती और पक्षपात का साम्राज्य है। इसी वजह से आज इतनी गम्भीर स्थिति हो गई है । अगर वहां की आर्थिक स्थिति अच्छी होती तो आज इतनी गड़बड़ स्थिति न होती आपको सुनकर ताज्जुब होगा कि जो वहां सांईस के विद्यार्थी हैं.......

अध्यक्ष महोदय : हाउस का यह फैसला है कि तकरीर नहीं होगी ।

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, स्वतंत्र पार्टी के लिए यह बोरिंग सब्जेक्ट हो सकता है लेकिन हमारे लिए नहीं है ।

तो मैं यह कह रहा था कि वहां की स्थिति इतनी गड़बड़ हो गई है कि शिक्षकों की मांगों को पूरा करने की बात तो दूर रही, वहां की साइन्स लेबोरेट्री के लिए पानी और गैस की भी व्यवस्था नहीं है । इतना ही नहीं, उसका जो मकान है वह गिर रहा है, उसके लिए कोई व्यवस्था नहीं है । इसी तरह से जो विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी है उसकी हालत भी बहुत खराब है । आर्थिक दिक्कतों की वजह से वहां पर यह स्थिति है । इसी प्रकार से वहां का मेडिकल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज और साइन्स कालेज जो हैं उन में भर्ती के मामले में पक्षपात होता है । हरिजनों और आदिवासियों के लिए सीट्स रिजर्व्ड हैं लेकिन उसके मुताबिक उनको जगहें नही दी जाती हैं । अभी हम लोगों ने एक प्रस्ताव पास किया......

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये । अध्यक्ष महोदय क्या करेंगे जबकि इसका प्रोसीजर यह है कि आप सिर्फ सवाल पूछ सकते हैं—तकरीर नहीं कर सकते हैं ।

श्री रामावतार शास्त्री : मैं यह कह रहा था कि वहां पर इस तरह से पक्षपात किया जाता है । फर्जी अंक पत्र और फर्जी प्रमाण-पत्र लिए जाते हैं और उसके आधार पर यह सब होता है । ......(**व्यवधान**)......तो शिक्षकों की 9 सूत्री मांगें हैं और कर्मचारियों की 4 सूत्री मांगे हैं जिसमें वेतन, भत्ता, हाउस रेन्ट, प्राविडेन्ट फंड आदि तमाम सवालों को लेकर ....

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये ।

श्री रामावतार शास्त्री : सवाल भी न पूछूं ? मैं समाप्त कर रहा हूं । तो इस प्रकार से वहां पर तमाम तरह का गोलमाल है । वहां की सिनेट ने भी मांग की है कि केन्द्रीय सरकार को चाहिए कि उस विश्वविद्यालय को अपने हाथ में ले ले । मैं जानना चाहता हूं कि क्या केन्द्रीय सरकार उस विश्वविद्यालय को अपने हाथ में लेने के लिए तैयार है या नहीं ?

दूसरी बात यह है कि अगर सरकार उसको अपने हाथ में लेने के लिए तैयार नहीं है तो क्या सरकार उस विश्वविद्यालय को विशेष अनुदान देने के लिए तैयार है जिससे उसकी स्थिति सुधारी जा सके और जो गोलमाल चल रहा है वह बन्द हो ।

तीसरे वहां जो भ्रष्टाचार है उस भ्रष्टाचार की जाच करने के लिए कोई कमेटी सरकार बनाने को तैयार है या नही ?

चौथे हरिजनों और आदिवासियों को जितनी भी वहां कालेजों में जगहें सुरक्षित हैं उस के मुताबिक उन्हें जगह दिलवाने को तैयार है या नही ?

पांचवां और आखिरी कि कालेजों के शिक्षकों और दूसरे कर्मचारियों की मांगों को सरकार पूरा करने के लिए तैयार है या नहीं ? अभी उन के कहे मुताबिक 18 को जो मीटिंग हो रही है उसमें इस पर विचार होना चाहिए । अभी इस हाउस ने हरिजनों और आदिवासियों के लिए रिजरवेशन व संरक्षण की मियाद 10 वर्ष की बढ़ाई है तो उस को देखते हुए मैं यह जाना चाहता हूं कि उनकी मांगों को पूरा करने की दिशा में आप कौन सा कदम उठा रहे ह ।

DR. V. K. R. V. RAO : The Hon. Member has ranged over a very wide list of issues covering the state of Patna University. As far as the calling-attention was concerned, it was about the reported strike in the Patna University on the 16th December. We have got the information from the unversity authorities as soon as we came to know about it and I am giving the answer that, according to them, this mainly relates to the non-payment of house rent allowance. There may be other demands also which are pending; at least, we have not heard about them from the university authorities. Now that the Hon. Member has drawn my attention to it, I am prepared to ask the university authorities to let me know about it. But, as far as I can see the major problem is that of finance. The Bihar Government had agreed in April that house rent allowance will be paid from the 1st May. The university has been getting only a grant of Rs. 42 lakhs or something like that for a number of years from the State Government. They get money from the University Grants Commission for development purposes but for maintenance purposes it being a university within a State it gets its grants from the State Government. I would like to suggest, if such a suggestion would be in order, that it is a matter that has got to be taken up at Bihar level rather than at the Central level.

As far as the specific question which the Hon. Member has asked, namely, whether the Central Government will be prepared to take over this university and make it a central university, is concerned, it is a matter which I am certainly prepared to refer to the University Grants Commission who are our first advisers on the subject. At the moment I am not in a position to give any assurance that it will be taken over by the Centre.

श्री भोगेन्द्र झा (जयनगर) : अध्यक्ष महोदय, इस बात का ख्याल रखते हुए कि लगभग दो वर्षों से बिहार में लोकप्रिय सरकार

[श्री भोगन्द्र झा]

नही रही है, ेच में कुछ हफ्तों में हुई थी खासकर जिन मांगों का जिक्र अभी शास्त्री जी ने किया है उन सभी मांगों के सवाल पर बातचीत होने जा रही है तो उसमें क्या मंत्री महोदय बिहार सरकार को आदेश देंगे कि उन सभी मांगों को यथासम्भव राज्य के पैमाने पर पूरा करने का प्रयास किया जायगा ?

बिहार के और भी विश्वविद्यालयों ने यह मांगें की हैं और वह भी हड़ताल करने की सोच रहे हैं। मंत्री महोदय को खबर होगी कि आर० के० कालिज, मधुबनी और मिल्लत कालिज, दरभंगा में शिक्षकों को पांच-पांच महीने से तनख्वाह नहीं मिली है और वह भी हड़ताल करने की सोच रहे हैं तो यह हड़ताल का मौका न आये उस के लिए राज्य के पैमाने पर पटना विश्वविद्यालय और सभी कालिजों के शिक्षकों की मागों की तथा आर० के० कालेज को अंगीभूत बनाने की मांग की पूर्ति के लिए यथासम्भव प्रयास किया जायगा ?

अध्यक्ष महोदय, उन्होंने अभी युनिवरसिटी ग्रान्ट्स कमिशन का जिक्र किया है तो मंत्री महोदय को शायद पता होगा कि दो साल या ढ़ाई साल पहले यूनिवरसिटी ग्रान्ट्स कमिशन ने दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पुनर्गठन के लिए सुझाव दिया था लेकिन उस दिशा में कुछ नही हो पाया है तो क्या वह आदेश देंगे कि वह यथाशीघ्र रिपोर्ट दे दें ? ढ़ाई साल से सोये हुए हैं तो क्या वह कोई आदेश देगें कि इन सभी मांगों के सवाल पर राज्य के पैमान पर निर्णय हो और जो यूनिवरसिटी ग्रान्ट्स कमिशन की सिफारिश है दरभंगा म सर्वांगीण ,वश्वावद्यालय के लिए उसको भी मंजूर किया जाय ?

DR. V. K. R. V. RAO : I shall take the second question first and say that according to the best of my information the University Grants Commission did want to consider the affairs of the Patna University. Because there was a commission set up by the State Government which had examined the affairs of all the Bihar Universities, the University Grants Commission asked the Patna University to send them their comments. After the comments were received from the Patna University, the University Grants Commission referred the matter to the State Government. According to information received in the University Grants Commission, the matter is still under the consideration of the State Government.

Regarding the other question whether the Central Government will be prepared to issue directives to the State Government to fulfil all these demands because there has been no popular government in Bihar for two years, I am not a student of constitutional law and I do not know what precisely is the position of the Central Government in regard to giving directions on such detailed matters.

SHRI BHOGENDRA JHA : The Law Minister is sitting here. Take his help.

DR. V. K. R. V. RAO : I am trying to be as helpful as I can.

I am prepared to make inquiries as to what our authority is. However, as the Hon. Member is aware, unless finance also is available, I will not be able to give any such direction even if there is authority to do so. In any case, I will make inquiries to find out what I can do in the matter.

श्री भोगेन्द्र झा : अध्यक्ष महोदय, दो या ढ़ाई वर्ष हो गये हैं लेकिन अभी तक यूनिवरसिटी ग्रान्ट्स कमिशन की सिफारिश पर जबाब नही आया है तो क्या इसके लिए वह कोई टाइम-लिमिट देंगे कि उसके अन्दर वह जवाब दे दें ?

श्री योगेन्द्र शर्मा (बेगुसराय) : पिछले साल जब बिहार के विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने हड़ताल की थी और सरकार से एक समझौता हुआ था तो उस समझौते का पालन करने में बिहार की सरकार आर्थिक आधार पर अपनी असमर्थता जाहिर कर रही है तो क्या बिहार की सरकार ने केन्द्र से सहायता मांगी है कि इतनी आर्थिक सहायता दी जाय ताकि जो सैटिलमेंट हुआ था उस की टर्म्स पूरी की जायें ?

शिक्षा आयोग ने जो केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने की बात की है तो उन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पटना विश्वविद्यालय को भी शामिल करने की क्या शर्तें हैं, कौन सी कंडिशंस हैं जिनको फुलफिल करने पर शिक्षा आयोग की सिफारिश के मुताबिक पटना विश्वविद्यालय भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाया जा सकता है ?

DR. V. K. R. V. RAO : To the best of my recollection I do not remember having received any letter from the Bihar Government after they came to this agreement sayirg that they wanted the money for the implementation of that agreement. I also have no recollection whatsoever of any request being made to us by the Bihar Government for the conversion of Patna University into a central university.

श्री योगेन्द्र शर्मा : यदि वह रिक्वेस्ट करें तो क्या आप उसको मानेंगे ?

DR. V. K. R. V. RAO : It is a hypothetical question.

12·19 hrs.

LEADER OF THE OPPOSITION

SHRI RANGA (Srikakulam) : Sir, I would like to request you to let me know your answer in regerd to the two letters that we had written suggesting that Shri Ram Subhag Singh, the leader of the single largest group on this side of the House, having more than 55 Members, should be recognised as the Leader of the Opposition. I would like to know whether you have taken any decision at all and, if not, how soon you will be able to do it.

श्री रवि राय (पुरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने आप को एक पत्र लिखा था कि पिछले महीने की 17 तारीख़ से जिस तरीके से लोकसभा में डाक्टर राम सुभग सिंह के पास 50 से अधिक सदस्य उन के पास हैं तो उसको देखते हुए मैं ने यह निवेदन किया था और अनुरोध भी किया था कि सभी नियमों को देखते हुए डाक्टर राम सुभग सिंह को जो कि कांग्रेस संसदीय विरोधी दल के नेता हैं उनको लोक सभा में विरोधी दल का नेता माना जाय। इस सिलसिले में आप एलान करें। आप फैसला करें के डा० राम सुभग सिंह विरोधी दल के नेता हैं क्योंकि उनके दल की संख्या 60 से ज्यादा है। मैं चाहूंगा कि आप इस सदन में पूरे नियमों को देख कर के एलान करें कि डा० राम सुभग सिंह विरोधी दल के नेता हैं।

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : On this I want to speak.

MR. SPEAKER : Please sit down.

On this matter the Speaker has the discretion to go into it. I am very sorry I kept it pending for so long because I wanted to go into it. I made certain queries and certain letters were also written. I have no objection if Dr. Ram Subhag Singh is accepted as the Leader of the Opposition. (*Interruption*). But I had enough of discussion.

Mr. Ramamurti, you fixed up time with me this morning to come at 10·00 O'clock. I was kept waiting. It is a